

परिसर अध्ययन

(भाग १)

चौथी कक्षा



शिक्षा विभाग का स्वीकृति क्रमांक :
प्राशिसं/२०१३-१४/६९००/मंजूरी/ड-५०५ दिनांक ०२.०५.२०१४

परिसर अध्ययन (भाग १)



चौथी कक्षा



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-४११००४



HPMHES

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R.Code में अध्ययन अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१४ © महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ४११००४

छठवां पुनर्मुद्रण : २०२०

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

शास्त्र विषय समिति :

- डॉ. रंजन केळकर, अध्यक्ष
- डॉ. विद्याधर बोरकर, सदस्य
- श्रीमती मृणालिनी देसाई, सदस्य
- डॉ. दिलीप रा. पाटील, सदस्य
- श्री अतुल देऊळगावकर, सदस्य
- डॉ. बाळ फोंडके, सदस्य
- श्रीमती विनिता तामणे, सदस्य-सचिव

भूगोल विषय समिति :

- डॉ. एन. जे. पवार, अध्यक्ष
- डॉ. मेधा खोले, सदस्य
- डॉ. इनामदार इरफान अजिज, सदस्य
- श्री अभिजित घोरपडे, सदस्य
- श्री सुशीलकुमार तिर्थकर, सदस्य
- श्रीमती कल्पना माने, सदस्य
- श्री रविकिरण जाधव, सदस्य-सचिव

नागरिकशास्त्र विषय समिति :

- डॉ. यशवंत सुमंत, अध्यक्ष
- डॉ. मोहन काशीकर, सदस्य
- डॉ. शैलेंद्र देवळानकर, सदस्य
- डॉ. उत्तरा सहस्रबुद्धे, सदस्य
- श्री अरुण ठाकूर, सदस्य
- श्री वैजनाथ काळे, सदस्य
- श्री मोगल जाधव, सदस्य-सचिव

मानचित्रकार : श्री रविकिरण जाधव

अक्षरांकन : समृद्धी, पुणे

मुखपृष्ठ : श्री निलेश जाधव

कागज : ७० जी.एस.एम. क्रीमवोव

**चित्र एवं सजावट : श्री निलेश जाधव, श्री दीपक संकपाळ,
श्री मुकीम तांबोळी, श्री संजय शितोळे,
श्री विवेकानंद पाटील, रुपेश घरत**

मुद्रणादेश : एन् / पिबी / २०२०-२१ / (२००० प्रती)

मुद्रक : मे. रेणूका बांडुडर्स, पुणे

संयोजक

श्रीमती विनिता तामणे
विशेषाधिकारी शास्त्र

श्री मोगल जाधव
विशेषाधिकारी इतिहास व नागरिकशास्त्र

श्री रविकिरण जाधव
विशेषाधिकारी भूगोल

भाषांतर संयोजन

डॉ. अलका पोतदार
विशेषाधिकारी हिंदी

संयोजन सहायक

सौ. संध्या विनय उपासनी
सहायक विशेषाधिकारी हिंदी

भाषांतरकार : श्री शालिग्राम तिवारी, कु. मंजुला त्रिपाठी
समीक्षक : प्रा. शशि निघोजकर, सौ. वृंदा कुलकर्णी

**विशेषज्ञ : श्री प्रकाश बोकील, श्रीमती पूर्णिमा पांडेय,
श्री हरीश कुमार खत्री, श्रीमती हेमलता महाजन**

निर्मिति

श्री सच्चितानंद आफळे
मुख्य निर्मिति अधिकारी

श्री विनोद गावडे
निर्मिति अधिकारी

सौ मिताली शितप
सहायक निर्मिति अधिकारी

प्रकाशक

श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ, प्रभादेवी, मुंबई-२५

शास्त्र विषय कार्यगट सदस्य : • श्रीमती सुचेता फडके • श्री वि. ज्ञा. लाळे • श्रीमती संध्या लहरे • श्री शैलेश गंधे • श्री अभययावलकर • श्री राजाभाऊ ठेपे • डॉ. शमीन पडळकर • श्री विनोद टेंबे • डॉ. जयसिंगराव देशमुख • डॉ. ललित क्षीरसागर • डॉ. जयश्री रामदास • डॉ. मानसी राजाध्यक्ष • श्री सदाशिव शिंदे • श्री बाबा सुतार • श्री अरविंद गुप्ता

भूगोल विषय कार्यगट सदस्य : • श्री भाईदास सोमवंशी • श्री विकास झाडे • श्री टिकाराम संग्रामे • श्री गजानन सूर्यवंशी • श्री पद्माकर प्रल्हादराव कुलकर्णी • श्री समनसिंग भिल • श्री विशाल आंधळकर • श्रीमती रफत सैय्यद • श्री गजानन मानकर • श्री विलास जामधे • श्री गौरीशकर खोबरे • श्री पुडलिक नलावडे • श्री प्रकाश शिंदे • श्री सुनील मोरे • श्रीमती अपर्णा फडके • डॉ. श्रीकृष्ण गायकवाड • श्री अभिजित दोड • डॉ. विजय भगत • श्रीमती रंजना शिंदे • डॉ. स्मिता गांधी

नागरिकशास्त्र विषय कार्यगट सदस्य : • डॉ. चित्रा रेडकर • प्रा. साधना कुलकर्णी • डॉ. श्रीकांत परांजपे • डॉ. बाळ कांबळे • प्रा. फकरूद्दीन बेन्नूर • प्रा. नागेश कदम • श्री मधुकर नरडे • श्री विजयचंद्र थत्ते

चौथी कक्षा : परिसर अभ्यास भाग-१

अध्ययन के लिए सुझाई हुई शैक्षणिक प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
<p>सभी विद्यार्थियों को अनुभवों का अवसर गुट/जोड़ी-जोड़ी से व्यक्तिगत रूप से देकर उन्हें निम्न बातों के लिए प्रेरित करना -</p> <ul style="list-style-type: none"> आसपास के परिवेश का निरीक्षण करना और खोजना जैसे - घर/विद्यालय, पड़ोसी, विविध साधारण निरीक्षणक्षम वस्तु/फूल/वनस्पति/प्राणी पक्षी इनकी बाह्य विशेषताएँ/विविधता, दृश्य स्वरूप, हलचल, निवास का स्थान, खाद्यान्न, जरूरतें, घोंसले बनाने की सहज प्रवृत्ति, समूह में बर्ताव आदि । परिवार के वरिष्ठ (जेष्ठ/सदस्यों से चर्चा करना और प्रश्न पूछना) जैसे - परिवार के कुछ लोग एक साथ रहते हैं, चर्चा करते हैं और कुछ दूर रहते हैं, यह समझकर दूर रहने वाले रिश्तेदार, स्नेही इनसे संभाषण कर, उनके घर, यातायात के साधन और उनके स्थान, लोक-जीवन इस विषय में जानकारी हासिल करना । विविध स्थानों को भेंट देना जैसे - पाकगृह; घर का रसोईगृह, बाजार, वस्तु संग्रहालय, वन्यजीव अभयारण्य, खेत, जल का प्राकृतिक स्रोत, बाँध निर्माण कार्य, स्थानिक उद्योग, दूर के रिश्तेदार, मित्र, चित्र, कालीन, हस्तकला आदि बनाने के लिए प्रसिद्ध स्थान । सब्जी विक्रेता (कुंजड़ा), फूल बेचने वाला, मधुमक्खी पालन करने वाला, बागवानी करने वाला, किसान वाहन-चालक, स्वास्थ्य अधिकारी और संरक्षण अधिकारी आदि लोगों से आदान-प्रदान कर, उनके कार्यों, उनके कौशल, उनके द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले साधन जान लेना । समय के अनुसार परिवार में हुए परिवर्तन, परिवार के विविध सदस्यों की भूमिका, साँचाबद्धता/भेदभाव, घर/विद्यालय, पड़ोसियों, प्राणियों, पक्षियों, वृक्षों के साथ किए गए अन्यायकारी व्यवहारों के विषय में बुर्जुओं के अनुभव एवं दृष्टिकोण समझ लेना । निडरता या बिना झिझकते अनुभवों के आधार पर प्रश्न तैयार करना और मनन करना । चित्र/ प्रतीक चिह्न/रेखाटन, अभिनय, बातों से और सरल भाषा में वाक्य और परिच्छेद लिखकर स्वयं अनुभव लेना । निरीक्षणक्षम विशेषताओं में से समानता एवं अंतर के आधार पर बातें/वस्तुओं की तुलना और वर्गीकरण करना । 	<p>विद्यार्थी-</p> <p>04.95A.01 आसपास परिवेश में पाए जाने वाले फूलों, जड़ों तथा फलों के आकार, रंग, गंध, वे कैसे वृद्धि करते हैं तथा उनके सामान्य लक्षण क्या हैं - जानते और पहचानते हैं। पशु-पक्षियों की विभिन्न विशिष्टताओं जैसे - चोंच, दाँत, पंजे, कान, रोम, घोंसला, रहने के स्थान आदि को पहचानते हैं ।</p> <p>04.95A.02 विस्तारित कुटुंब में अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी रिश्तों को पहचानते हैं ।</p> <p>04.95A.03 प्राणियों का समूह और समूह के अंतर्गत व्यवहार (जैसे - चीटियाँ, मधुमक्खी, हाथी, पक्षियों का व्यवहार) स्पष्ट करते हैं, पारिवारिक बदलाव (जैसे - जन्म, विवाह, तबादला आदि के कारण परिवर्तन) स्पष्ट करते हैं ।</p> <p>04.95A.04 दैनिक जीवन के विभिन्न कौशलयुक्त कार्यों जैसे- खेती, भवन निर्माण, कला/शिल्प आदि का वर्णन करते हैं तथा पूर्वजों से मिली विरासत एवं प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका की वर्णन करते हैं ।</p> <p>04.95A.05 स्रोत से लेकर घर तक जीवनावश्यक वस्तुओं की निर्मिति और प्राप्ति प्रक्रिया स्पष्ट करते हैं । (जैसे - अन्न, जल, वस्त्र)</p> <p>04.95A.06 अतीत और वर्तमान की वस्तुओं तथा गतिविधियों में अंतर करते हैं । उदाहरण के लिए परिवहन, मुद्रा, आवास, पदार्थ, उपकरण, खेती और भवन-निर्माण के कौशल आदि ।</p> <p>04.95A.07 प्राणी, पक्षी, वनस्पति, वस्तु, अनुपयोगी पदार्थ, सामग्री इनका गुट तैयार करना । (जैसा - दृश्य स्वरूप, गुण विशेष, उपयोग आदि ।)</p> <p>04.95A.08 प्रमाणित और स्थानीय इकाइयों में (किलो, गज, पाव आदि) गुणधर्म आदि का अंदाजा लगाते हैं, अंतरिक्षीय राशियों का (लंबाई, वजन, समय, कालांश आदि) अंदाजा लगाकर और सामान्य साधनों का उपयोग कर सत्यता जाँचते हैं ।</p>